(M1-21)

Development of Settlement Geography in Ancient India.

वेद, रामायण, महाभारत, उपनिषद, पुराण आदि ग्रंथों में अधिकांश भूगोल, मानव भूगोल, जनसंख्या भूगोल, मानव-पर्यावरण सम्बन्ध उद्योग, व्यापार, वाणिज्य आदि का वर्णन मिलता है।

1027 Hymns

Settlement Geog. during Indus Valley Civilization period. —

- 3000 BC – पश्चिमोत्तर भारत में सिन्धु घाटी की सभ्यता जो विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है का विकास हुआ था। Indus valley के निकटवर्ती क्षेत्रों में नगरीय सभ्यता का उदय हुआ और विभिन्न नगरों का उदय हुआ — मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, कालीबंगा, लोथल, उमरी, नाल आदि स्थानों पर खुदाई से प्राप्त अवशेषों यह स्पष्ट होता है कि यहाँ सुनियोजित नगर बसाए गए थे जिसका भौगोलिक विवरण वेदों, पुराणों, उपनिषदों में मिलता है

गलियों की चौड़ाई 1 से 1.5 मीटर

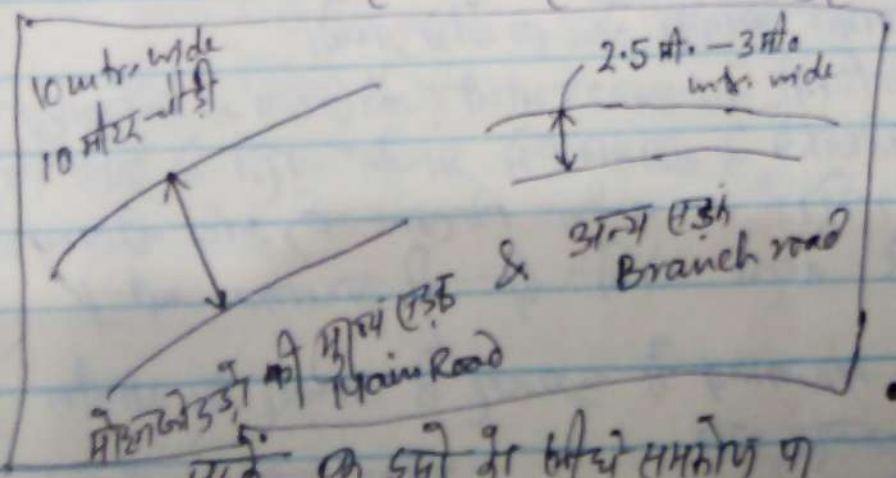

- गंदे जल के निकास के लिए सड़कों एवं गलियों के दोनो ओर पक्की नालियाँ बनाई जाती थीं
- हड़प्पा नगर मोहनजोदड़ो से भी अधिक विस्तृत था। हड़प्पा को, क्षेत्रफल 4. कि. मी. पर विस्तृत था नगर में सड़कें विन्यास मोहनजोदड़ो के समान ही था
- नगर के भवन पक्की ईंटों से बनाए जाते थे
- सड़कें एक दूसरे को सीधे समकोण पर काटती थीं एवं नगरों को अनेक वर्गाकार व आयताकार खंडों में विभाजित करती थीं

M1/21

- प्रत्येक भवन में स्नानागार एवं कुओं होने का वर्णन मिलता है। नगर में भवन, स्नानागार, नालियाँ आदि पक्की ईंटों के बने होते थे।
- स्पष्ट है कि नगर नियोजन की कला विकसित थी।
- नगर अनेक सुविधाओं से सम्पन्न होते थे।
- व्यापारी, धार्मिक, व्यापारी वर्ग के लोग नगरों में और कृषि करने वाले लोग गाँवों में रहते थे।

<u>वैदिक काल में बस्ती भूगोल</u> —
- (A) Rig Vedic Period (2000 BC – 1500 BC)
- (B) Later " " (1500 BC to 1000 BC)

ऋग्वेद सभ्यता का सबसे प्राचीन ग्रंथ है। आर्य लोग छोटे-छोटे समूहों में रहते थे। नगरों का उदय नहीं हुआ था। कबीले का मुखिया राजा कहलाता था, पुरोहित सलाहकार

- पशुपालन करते थे तो कुटीरों में रहते थे और जब कृषि करने लगे तो स्थायी बस्तियाँ बनाना शुरू किया।

उत्तर वैदिक काल

(3) रामायण महाभारत काल	रामायण, महाभारत, जैन एवं बौद्ध ग्रन्थों,
4) जैन & बुद्ध काल	पाणिनी के अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र,
5) मौर्य काल	पतंजलि के महाभाष्य में प्राचीन भारत के ग्रामों एवं
6) गुप्त काल	नगरों का वर्णन मिलता है। कृषि की प्रधानता के कारण गाँवों की ही प्रधानता थी।

पतंजलि के महाभाष्य में आकार के आधार पर ग्रामीण बस्तियों के निम्न छः प्रकार बताए गए —
(1) पल्लि (पुरवा) (2) घोष (लघु ग्राम) (3) ग्राम (Village) (4) वाहीक या उदीच्य ग्राम (बड़ा ग्राम) (5) पुरी (लघु नगर) (6) नगर

महाभाष्य में मथुरा, तक्षशिला, हस्तिनापुर, साकेत, कौशाम्बी,

1) Purwa (2) Ghosh (Smaller Village) (3) Village (4) Large vill (5) Small town (6) Town

(20)

M1/21

साकेत, पाटलीपुत्र आदि नगरों का वर्णन मिलता है।
बौद्ध ग्रन्थों में तक्षशिला, पाटलीपुत्र, पुरुषपुर, उज्जैयिनी, काशी, कन्नौज, नालन्दा, मैसूर आदि नगरों का वर्णन मिलता है।
प्राचीन भारत के ग्रंथों में निम्न नगरों का वर्णन मिलता है
1) तक्षशिला (4th Century BC) - रावलपिंडी के निकट, शिक्षा का बड़ा केन्द्र
2) हस्तिनापुर - दिल्ली के निकट, कौरवों की राजधानी
3) इन्द्रप्रस्थ - दिल्ली के निकट, पाण्डवों की राजधानी।
4) पुरुषपुर - पेशावर (200BC) कनिष्क की राजधानी
5) कपिलवस्तु - शाक्य वंश की राजधानी, गौतम बुद्ध का जन्म स्थान लुम्बिनी
6) श्रावस्ती (6th Century BC) गोंडा (UP) के निकट, कोशल राज्य की राजधानी व व्यापार
7) अयोध्या, (8) कोशाम्बी 9) पाटलीपुत्र 10) काशी 11) नालन्दा
12) कन्नौज (हर्षवर्धन की राजधानी) 13) कांचीपुरम -(TN में पलार नदी के तट पर)
14) उज्जैन (MP) शिप्रा नदी के तट पर (15) गया (16) प्रयाग (17) मथुरा (18) मदु...
मौर्यकाल में अवन्ती प्रांत की राजधानी
19) सांची (MP) सम्राट अशोक द्वारा निर्मित (20) मोहनजोदड़ो (21) हड़प्पा (22) लोथल (Gujarat) (23) कुशीनगर
— UP में देवरिया जनपद में कुशीनगर में भगवान बुद्ध का महापरिनिर्वाण हुआ।
24) धोलावीरा - गुजरात में सभ्यता काल
25) खण्डगिरि - उड़ीसा में भुवनेश्वर के निकट जैन धर्म गुफा काल —